Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	REMINGTON GAIL 15th June 2019 Shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2019-06-15 13:46:06
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	755905104
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Mock

Section Id :	755905172
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1

Sub-Section Id:	755905172
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 7559051379 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	755905105
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Actual

Section Id :	755905173
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	755905173
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 7559051380 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

कोई भी व्यक्ति सांसारिक जीवन के क्षेत्र में अवनति नहीं चाहता। हर कोई प्रगति की इच्छा रखता है, अपने समाज में अन्य लोगों की तुलना में निरंतर अधिक से अधिक उन्नति प्राप्त करना चाहता है, नाम, यश, प्रसिद्धि, पद, प्रतिष्ठा आदि कमाना चाहता है। मानव स्वभाव की इस आत्म केन्द्र प्रवृत्ति के कारण, अधिकतर लोग अपने स्तर के लोगों के बीच स्वयं को सर्वश्रेष्ठ देखना या सिद्ध करना चाहते हैं एवं अनेक प्रकार से अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं। प्रगति करने की यह आकांक्षा मानव स्वभाव है, लेकिन इसे उचित दिशा नहीं मिल पाती, क्योंकि व्यक्ति को अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य, सुनिर्धारित उद्देश्य का ज्ञान नहीं होता है। अधिकतर लोग इसके बारे में विचार तक नहीं करते। शेष लोग जो अपने जीवन की दिशा के बारे में कुछ हद तक सजग हैं, वे आमतौर पर गम्भीरतापूर्वक उत्तर की खोज नहीं करते। ऐसी स्थितियों में, मानव जीवन से संबद्ध महान संभावनाएं और क्षमताएं अव्यवस्थित होकर विकृत हो जाती हैं। आत्मोन्नति की आंतरीक प्रेरणा सुषुप्त रह जाती हैं, यह अपने आपको अभिव्यक्त करना चाहती हैं। लेकिन हमारे बहिर्मुखी मन बाहरी आकर्षणों एवं और सांसारिक इच्छाओं के कारण इसकी अति सूक्ष्म वाणी पर ध्यान नहीं देता। इसलिए अंतरात्मा की यह आवाज दब जाती है और धीरे–धीरे स्वाभिमान के भाव से पृथक हो जाती है। हम सभी को इस तथ्य पर ध्यान देना चाहिए कि दिव्य शक्तियों का स्त्रोत हमारे हृदय–हमारे आभ्यंतर में ही विद्यमान है। दिव्य प्रेरणाओं और संदेशों के उदात्त आवेग इस अंतरतम में निरंतर पहुंचते रहते हैं। यदि हम अपनी अंतरात्मा की आवाज पर ध्यान दें तो हम इन आध्यात्मिक संकेतों को समझ सकते हैं, यह निस्संदेह हमारी बुद्धि को परिष्कृत करने और तीव्र करने, आत्म विश्वास और विवेक उत्पन्न करने, और हमारे गुणों का विकास करने की दिशा में प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, जिससे हम अपनी पुण्यों की संपदा में वृद्धि कर सकते हैं। लेकिन हमारे मन में उठने वाली तृष्णा और वासना के प्रबल वेग इसे हमारी चेतना तक पहुंचने नहीं देते। इस प्रकार हम अनजान बने रहते हैं और भटकाव भरी पगडंडियों में गुम हो जाते हैं और दुख और दुराचणों के जाल में फंसकर असहाय हो जाते हैं। भीतर की आवाज इतनी कोमल और सूक्ष्म होती है कि यह बहिर्मुखी गतिविधियों के शोर से सरलतापूर्वक दब सकती है, लेकिन यह इतनी स्पष्ट एवं अविकल होती है कि इसे सुनने के बाद इसे समझने में कोई संदेह या मिथ्याबोध बाकी नहीं रह सकता है। अगर हम किंचित ध्यान दें और ध्यान की अवस्था में विचार करें या सावधानीपूर्वक इसे सुनने का प्रयास करें, तो यह शीघ्र ही तीव्र हो जाएगी और इसमें निहित दिव्य संदेश स्पष्ट हो जाएगा। यह हमें हमारे जीवन के सही लक्ष्य को संप्रेषित करेगी और साथ ही सुनिश्चित उत्थान का सीधा और सच्चा मार्ग प्रकट करेगी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes